मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BSKC–101

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत (बी.ए.एस.के.एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2023

बी.एस.के.सी.-101 : लौकिक संस्कृत पद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) इस पश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं।*

(ii) सभी खण्ड अनिवार्य हैं।

(iii) दिए गए निर्देशानुसार ही उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए— प्रत्येक 10

(क) वागर्थाविव सम्पृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये।
जगतः पितरौ वन्दे पार्वतीपरमेश्वरौ॥

अथवा

स्थित्यै दण्ड्यतो दण्ड्यान्परिणेतुः प्रसूतये।
अप्यर्थकामौ तस्यास्तां धर्म एव मनीषिणः॥

(ख) अथानुरूपाभिनिवेशतोषिणा

कृताभ्यनुज्ञा गुरूणा गरीयसा।

प्रजासु पश्चात्प्रथितं तदाख्यया

जगाम गौरी शिखरं शिखण्डिमत॥

अथवा

कृताभिषेकां हुतजातवेदसं

त्वगुत्तरासङ्गवतीमधीतिनीम्।

दिदृक्षवस्तामृषयोऽभ्युपागमन् न

धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते॥

(ग) क्रियासु युक्तैनृप ! चारचक्षुषो,

न वञ्चनीयाः प्रभवोऽनुजीविभिः।

अतोऽर्हसि क्षन्तुमसाधु साधु वा,

हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः॥

अथवा

वसूनि वाञ्छन्न वशी न मन्युना

स्वधर्म इत्येव निवृत्तकारणः।

गुरूपदिष्टेन रिपौ सुतेऽपि वा निहन्ति

दण्डेन स धर्मविप्लवम्॥

(च) येषां न विद्या न तपो न दानं

ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः

ते मर्त्यलोके भुवि भारभूताः

मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति॥

अथवा

दिक्कालाद्यनवच्छिन्नानन्तचिन्मात्रमूर्त्तये।

स्वानुभूत्येकमानाय नमः शान्ताय तेजसे॥

खण्ड–ख

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 5×10=50

(क) गीतिकाव्य की उत्पत्ति और विकास पर लेख लिखिए।

(ख) अश्वघोष के महाकाव्यों पर विस्तृत लेख लिखिए।

(ग) रघुवंश का कथासार अपने शब्दों में निबद्ध कीजिए।

(घ) नीतिशतक में प्रतिपादित मूर्ख पद्धति का वर्णन कीजिए।

(ङ) नीतिशतक में वर्णित विषयों पर लेख लिखिए।

(च) किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) का कथासार लिखिए।

(छ) राजा दिलीप के व्यक्तित्व को अपने शब्दों में लिखिए।

खण्ड—ग

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2 \times 5 = 10$

(क) शतकत्रय

(ख) कुमारसम्भवम् महाकाव्य (पञ्चम सर्ग)

(ग) नीतिशतक में वर्णित विद्या की महिमा